



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 258]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 31, 1982/भाद्र 9, 1904

No. 258]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 31, 1982/BHADRA 9, 1904

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1982

सं० 211/82 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सारणी

क्रम सं० उन आधारिक फैब्रिकों की मशीन की प्रति पारी प्रति मीटर
किस्म का वर्णन जिन पर लम्बाई पर शुल्क की दर
कसीदा किया जाता है

1	2	3
1. सूती फैब्रिक		13.15 रु०
2. मानव निमित्त फैब्रिक		
(i) असेलुलोसी		14.60 रु०
(ii) सेलुलोसी		14.60 रु०
3. रेशमी फैब्रिक		11.70 रु०
4. ऊनी फैब्रिक		12.70 रु०

सं० का० नि० 548(अ) —केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नियम, 1944 के नियम 96 य 97 के अनुसरण में तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 85/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 को अधिस्तान्त करने हुए, नीचे सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट फैब्रिक की प्रत्येक किस्म से टुकड़ों, पट्टियों या अलग बने रूप में 1 कसीदे के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली कसीदा मशीनों के लिए उसके सम्बन्ध (3) की तर-स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क की दर नियत करती है :—

परन्तु—

- (1) ऐसी मशीन की प्रति पारी प्रति मीटर लम्बाई पर पूर्वोक्त शुल्क दर उस शुल्क के अतिरिक्त होगी जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की, अध्यावधि, मद सं० 19 की उपमद (1) या मद सं० 21 की उपमद (1), या सब सं० 22 की उपमद (1) के अधीन उस आधारीक फैब्रिक पर उद्घृतनीय हो जो टुकड़ों, पट्टियों या अलग बने रूपों में किसी के विनिर्माण में उपयोग में लाया जाता है।
- (2) मारणी में यथाविनिर्दिष्ट मशीन की प्रति पारी प्रति मीटर लम्बाई पर शुल्क की दर, 1 जनवरी, 1955 के पहले बनी हर ऐसी मशीन के बारे में 25 प्रतिशत घटा दी जाएगी ;
- (3) जब आधारीक फैब्रिकों की विभिन्न किस्मों पर एक ही पारी के दौरान किसी मशीन पर कसीदाकारी की जाती है तब मशीन का प्रति पारी प्रति मीटर लम्बाई पर शुल्क की दर उस पारी के दौरान कसीदाकारी किए गए आधारीक फैब्रिकों को लागू उच्चतम दर होगी।

[फा० सं० 58/1/80-उ०सू०-2/सं० 211/82]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 1982

NO. 211/82—Central Excises.

G.S.R. 548 (E).—In pursuance of rule 96 ZI of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 85/71—Central Excises dated the 29th May, 1971, the Central Government hereby fixes for embroidery machines utilised for manufacturing from each variety of fabrics specified in column (2) of the Tables below, embroidery in the piece, in strips, or in motifs, the rate of duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE

S. No.	Description of base fabrics on which embroidery is made	Rate of duty in rupees per metre length of the machine, per shift.
		Rs.
1.	Cotton Fabrics	13.15
2.	Man Made fabrics—	
	(i) Non-Cellulosic	14.60
	(ii) Cellulosic	14.60
3.	Silk Fabrics	11.70
4.	Wollen Fabrics	12.70

Provided that—

- (1) the aforesaid rate of duty per metre length of such machine per shift shall be in addition to the duty leviable under sub-item 1 or the Item No. 19, or sub-item (1) of Item No. 21, or sub-item (1) of Item No. 22 as the case may be of the first Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) on the base fabrics used in the manufacture of embroidery in the piece, in strips or in motifs,

- (2) In respect of every such machine made prior to the 1st January, 1955, the rate of duty per metre length of the machine per shift as specified in the Table shall be reduced by twenty-five percent;
- (3) When different varieties of base fabrics are embroidered on a machine during the same shift, the rate of duty per metre length of the machine per shift shall be the highest rate applicable to the base fabrics embroidered during the said shift.

[F.No. 58/1/80-CX.2.]

सं० 212/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सं० का० वि० 549(अ)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 96-प ट के उपनियम (2) के साथ पठित उसके नियम 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय, (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 162/69 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, ता० 9 जून, 1969 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शर्त (7) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(7) वह दर, जिस पर शुल्क में रिबेट प्रदान की जाएगी नीचे विनिर्दिष्ट के अनुसार होगी।

क्रम सं०]	वर्णन	प्रति वर्ग मीटर रिबेट की दर रुपये में
1	2	3
1	निम्नलिखित पर की गई कसीदाकारी	
(1)	कृत्रिम फैब्रिक	
	(क) असेलूलीसी	0.77
	(ख) सेलूलोसी	0.77
(2)	सूती फैब्रिक	0.87
(3)	ऊनी फैब्रिक	0.85
(4)	रेशमी फैब्रिक	1.30
2	निम्नलिखित पर मजार्द गई लेस (बैन)	
(1)	सूती फैब्रिक अति सूक्ष्म	1.00
	अन्य	0.62
(2)	कृत्रिम फैब्रिक	
	(क) नाइलान	0.80
	(ख) पॉलिएस्टर	0.80
	(ग) रेयान	0.80
(3)	रेशमी फैब्रिक	1.30

7क यह रिबेट केवल उन फैब्रिकों के लिए अनुज्ञेय होगी जिनमें कसीदाकारी आन्तरायिक रूप से (फैब्रिक के कम से कम 50% [पर] की गई है, उनके लिए नहीं जिनके केवल किचारी पर ही कसीदाकारी की गई है।”

[फा० सं० 58/1/80-सी०एक्स 2]

टी० मेहता, अवर सचिव

No. 212/82—Central Exercises

G.S.R. 549 (E).—In exercise of the powers conferred by rule 12, read with sub-rule (2) of rule 96-ZK, of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), the No. 162/69-Central Excises, dated the 9th June 1969, namely :

In the said notification, for condition (7), the following conditions shall be substituted, namely :—

“(7) The rates at which the rebate of duty shall be granted shall be as specified below :—

S.No.	Description	Rate of rebate in rupees per sq. metre.
(1)	(2)	(3)
1.	Embroidery made on—	
	(1) Manmade Fabrics	
	(a) Non Cellulosic	0.77
	(b) Cellulosic	0.77

1	2	3
(2) Cotton Fabrics		0.87
(3) Woollen Fabrics		0.85
(4) Silk Fabrics		1.30
2. Laces made on—		
(1) Cotton Fabrics Super fine others		1.00 0.62
(2) Man-made Fabrics		
(a) Nylon		0.80
(b) Polyester		0.80
(c) Rayon		0.80
(3) Silk Fabrics		1.30

(7A) The rebate shall be available only for such fabrics that are embroidered intermittently (at least 50% of the fabrics) and not on fabrics with only embroidered borders.”

[F.No. 58/1/80-CX.2]

D. MEHTA, Under Secy.

